गेहूँ

गेहूँ दोमट मिट्टी पर अच्छी पैदावार देती है।

खेत की तैयारी :– तीन बार हल के द्वारा जुताई कर पाटा देना चाहिए।

बीजो उपचार :– बुआई से पूर्व वीटा वैकस या वैभीस्टीन 2gm प्रति किलो की दर से उपचारित करें।

प्रभेद :– असिचिंत HD 2888

सिचित समय से PBW 343, PBW 443, HD2733, DBW39, अररिया के लिए उत्तम प्रभेद हैं।

विलम्ब से बुआई DBW 14, HD2985, WR544 सबौर श्रेष्ठ

बीज दर :– 50 किलो प्रति एकड़ की दर से बुआई करें।

उर्वरक :– समय पर सिंचिंत :– 52 किलो डी. ए. पी, 45 किलो युरीया तथा 27 किलो एम. ओ. पी. अंतिम जुताई के समय इस्तेमाल करें।

यूरिया का प्रयोग 30–35 दिनों में एवं दूसरा 55 से 60 दिनोपर 28 किलो यूरिया प्रथम एवं दितीय ट्राप ड्रेसिग में इस्तेमाल करें।

विलम्ब से बुआई 34 किलो डीएपी. 39 किलो युरीया एवं 13 किलो एमओपी. प्रति एकड़ को प्रथम जुताई के समय इस्तेमाल करे एवं यूरिया दूसरी बार 35 दिनो पर 26 किलो 55 से 60 दिनो पर 26 किलो यूरिया प्रति एकड़ की दर से इस्तेमाल किया जा सकता है असिचिंत स्थिति में एनपीके. 60–30–20 की दर से इस्तेमाल करें।

सिचाई :– 3 से 4 सिंचाई जिससे खेत में हल्की नमी हो जल का जमाव न हो देखकर ही करना चाहिए अतः हल्की सिंचाई ही करें।

खरपतवार नियंत्रण :– 2 से 3 दिनों पर पेन्डामिथिलीन 1200 एम.एल प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें। खरपतवार नियंत्रण हेतु आम्सोप्रोइयूरण 800 एम.एल. या 24 डी 500 एम. एल. बुआई से 20–23 दिनो पर छिडकाव करें। कीट एवं रोग प्रबन्धन :–

1. लुज स्मट – 1 ग्राम/बीज की दर से उपचार करें।
2. पलियो का झुलसा रोग 2 ग्राम. /लीटर काबेन्डाजीम प्रति लीटर पानी छिडकाव करें।
3. पौधे का पीला होना – राइजोसीन 1 एम.एल. + Carbandazin 2gm प्रति लीटर पानी की दर से छिडकाव करें।
4. कजरा कीट – कलोरोपाइरोफास 3 एम.एल प्रति लीटर पानी के साथ छिडकाव करें।
5. दीमक – कलोरोपाइरोफास 2 से 3 एम.एल प्रति लीटर पानी के साथ इस्तेमाल करें।
6. तना छेदक :– कैरटाप हाइडोक्लोरास्ड 1 ग्राम प्रति लीटर की दर से पानी के साथ इस्तेमाल करें।

कटनी एवं भंडारण :– फसल पकने पर सूवह के समय ही कटनी करना चाहिए एवं दौनी कर अच्छी तरह सुखकर गोदाम में भंडारण करें।